प्रारम्भिक कक्षाओं में ध्वनि जागरूकता विकसित करने में सहयोग देना

पाँच साल की संजना टेबल पर बैठे-बैठे अपनी बहन के बारे में नोट्स लिख रही है। वह अभी पढ़ना-लिखना सीख ही रही है, पर उसे अपनी माँ को चिट्ठी लिखने में मज़ा आता है।

वह लिखती है "अंजली मेरेलिए बहु तछी है इसलिए वोमेरी सबसेछी सहेलीए." उसकी माँ नोट को कनखियों से देखकर मुस्कुराती है और पढ़ती है, "अंजली मेरे लिए बहुत अच्छी है इसलिए वह मेरी सबसे अच्छी सहेली है।" "अरे वाह! कितना अच्छा लिखा है!" वह संजना से कहती है," क्या तुम यहाँ अंजली का एक चित्र बनाना चाहोगी?"

लेखन कौशल में परिपक्व लोगों की तरह संजना ने अभी शब्दों का हिज्जे करना नहीं सीखा है। यह भी मज़ेदार है कि संजना बहुत सारे शब्दों को एक साथ मिला देती है जैसे – "मेरेलिए", "वोमेरी", "सबसेछी", "सहेलीए"। वह ऐसा क्यों करती है ?

हम लिखते समय शब्दों को अलग-अलग रखते हैं, पर बोलते समय वाणी में एक निरंतरता होती है; एक प्रवाह होता है; यहाँ वाक्य के शब्द कई बार आपस में एक-दूसरे से जुड़े-जुड़े होते है। इस वाक्य को बोलकर देखिए – अंजली मेरे लिए बहुत अच्छी है, इसलिए वह मेरी सबसे अच्छी सहेली है। हम कहाँ रुकते हैं और कहाँ शब्दों को एक साथ मिला देते हैं ?

एक और उदाहरण-

"मुझे घर नहीं जाना है।" इसे वैसे ही कहने की कोशिश कीजिए जैसे कि आप बातचीत के दौरान कहते हैं।

बच्चे को यह किस तरह सुनाई देगा ?

इस बात की संभावना है कि बच्चे इसे ऐसा सुनेंगे-

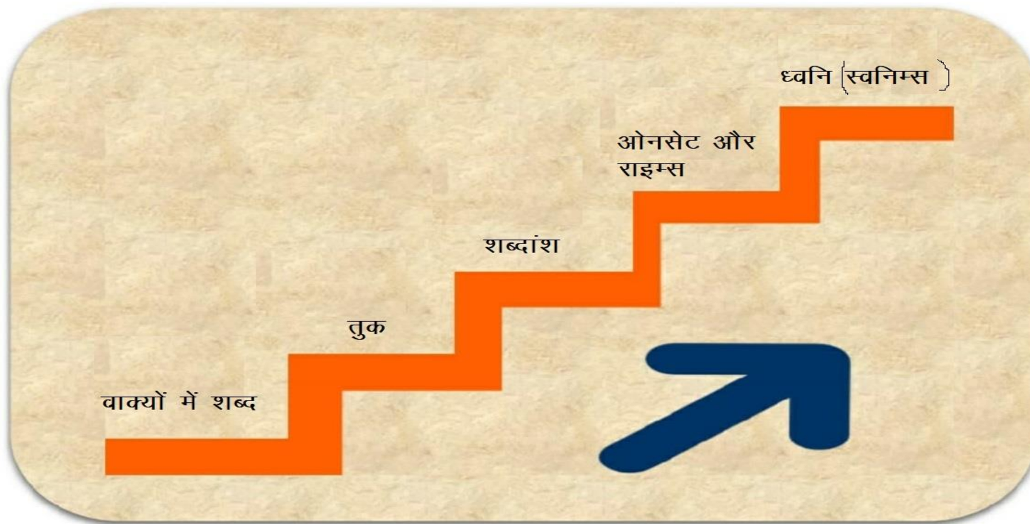
"मुझे घरनइजानाए"

जब छोटे बच्चे अपने आस-पास बोली जाने वाली भाषा को सीखते हैं तो उन्हें शायद इस बात की जानकारी नहीं होती है कि वाणी, ध्वनि की छोटी-छोटी इकाइयों से मिलकर बनी होती है। ध्वनि जागरूकता का मतलब यह समझना है कि बोली जानेवाली भाषा को छोटी-छोटी इकाइयों में तोड़ा जा सकता है और इन छोटी-छोटी इकाइयों में फेरबदल कर या उन्हें एक-दूसरे से मिलाकर शब्द और वाक्य बनाये जा सकते हैं। (Yopp & Yopp, 2000)

पढ़ना और लिखना ध्वनियों और उनके प्रतीकों के बीच संबंध स्थापित करने की योग्यता पर निर्भर करता है। अलग-अलग ध्वनियों को व्यक्त करनेवाले प्रतीकों को पढ़ना सीखने के पहले बच्चों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि ध्वनियाँबोलचाल की भाषाओं में ध्वनियाँ काम कैसे करती हैं: वाक्य शब्दों से बना होता है, और शब्द ध्वनि की छोटी-छोटी इकाइयों से बना होता है। इसलिए ध्वनि जागरूकता, पढ़ना सीखने की बुनियाद है।

हम इस बात को दुहरा दें कि ध्वनि जागरूकता का अर्थ बोली जाने वाली भाषाओं की ध्वनियों को **सुनने** की क्षमता है। ध्वनि जागरूकता विकसित करने के पहले पढ़ने-लिखने की योग्यता हासिल करना आवश्यक नहीं है। यहाँ तक कि स्कूल जाने की उम्र के पहले ही बच्चों में कुछ हद तक ध्वनि जागरूकता आ सकती है।
अल्फ़ाबेटिक लिपियों, जैसा कि अंग्रेज़ी में प्रयुक्त होता है, पर किए गए शोध हमें बताते हैं कि बच्चे ध्वनि जागरूकता एक निरंतरता में ध्वनि की बड़ी इकाइयों से होते हुए छोटी इकाइयों की ध्वनि के प्रति जागरूक होते रहते हैं, जैसा कि चित्र 1 में दिखाया गया है। (Ellery, 2014)

बच्चे को सबसे पहले बोले जाने वाले वाक्यों में शब्दों को अलग-अलग करना होता है। हम वाक्यांशों में बोलते हैं, जिसमें शब्द आपस में गुंथे हुए होते हैं, जैसा कि इस लेख के शुरुआत में उदाहरण के रूप में दिखाया गया है।" बारिश होरइये इसलिए हमें छाता चाइए।" या "हम दादाजी केसाथ बजारजारये।" छोटे बच्चों को पहले यह सीखने की आवश्यकता होती है कि भाषा-प्रवाह अलग-अलग इकाइयों जिसे शब्द कहते हैं, से मिलकर बना होता है। इसके बाद जल्द ही वे पहचान लेते हैं कि कुछ शब्द दूसरे शब्द जैसे ही सुनाई देते हैं। जैसे "हैट" और "कैट" सुनने में एक जैसे लगते हैं – उनके **तुक** मिलते हैं। छोटे बच्चों के साथ काम करनेवाले बहुत से कार्यक्रम ध्वनिगत संवेदनशीलता विकसित करने के लिए कक्षाकक्ष
में राइम्स (तुकबंदी) का इस्तेमाल करते हैं।हालाँकि, ध्वनि जागरूकता का लक्ष्य इतने से ही पूरा नहीं हो जाता है। मदद मिलने से बच्चों को समझ आ जाता है कि शब्दों को भी छोटे-छोटे भागों में बाँटा जा सकता है। उदाहरण के लिए कैटरपिलर (caterpillar) को **कैट् -अर्- पिल्-अर** में तोड़ा जा सकता है। ये उप-इकाइयाँ शब्दांश (syllables) कहलाते हैं। बच्चे भले ही इस पद 'शब्दांश' को न जानें, पर पढ़ना-लिखना सीखने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे शब्दों को छोटे-छोटे हिस्सों में तोड़ सकें। वे जानने लगते हैं कि रूचिका (रू-चि-का) को दीपक (दी-पक) से ज़्यादा भागों में तोड़ सकते हैं एवं दीपक (दी-पक) को जय से ज़्यादा भागों में तोड़ सकते हैं।
मदद मिलने से आगे बच्चे को यह भी पता चल जाता है कि इन टुकड़ों को और छोटे भागों में भी तोड़ा जा सकता है। अंग्रेज़ी में रु (Ru) को आगे अलग-अलग ध्वनियों, र /r/ और उ /u/, में तोड़े बिना लिखना संभव नहीं है। यहाँ तक कि कई भारतीय लिपियों में भी इन ध्वनियों को अलग कर पाने की क्षमता, पढ़ना-लिखना सीखने में मददगार होती है।



चित्र 2. ओन् सेट्स और राइम्स का उपयोग करते हुए शब्द-निर्माण

अंग्रेज़ी (रोमन) लिपि में पढ़ना-लिखना सीखने के लिए एक स्तर की ध्वनि जागरूकता उपयोगी होती है जिसमें "onsets" और "rimes" (ओन्सेट्स और राइम्स) को पहचानने की क्षमता शामिल है। अब ये "onsets" और "rimes" क्या हैं? किसी भी शब्दांश (syllable) में स्वर की ध्वनि और उसके बाद आनेवाली सभी ध्वनियाँ "rime" होती हैं जबकि स्वर के पहले वाली ध्वनि onset होती है। इसे समझने के लिए कुछ उदाहरण लेते हैं। एक शब्दांश (syllable) वाले शब्द cat (कैट्) में ऐ स्वर ध्वनि है इसलिए **ऐट्** rime है (शब्दांश/syllable में स्वर और उसके बाद आने वाला) , जबकि 'क' onset (स्वर के पहले आनेवाला) है l दीपक में दो शब्दांश/syllable हैं 'दी' और 'पक्'। 'दी' में **ई** rime है जबकि **द** onset है; पक् (pak) में **अक्** (ak) rime है एवं **प** onset है।

बच्चों के लिए rimes को सीखना क्यों सहायक है? उदाहरण के लिए, Rime **ऐट् (**at) को जानने से बच्चे वैसे ही rime वाले शब्द जैसे हैट् (hat), मैट् (mat), अटैक् (attack) कैटरपिलर(caterpillar) को पढ़ लेते हैं। भारतीय लिपियों को पढ़ने के लिए इस स्तर की जागरूकता आवश्यक न भी हो तो काम चल जाता है क्योंकि भारतीय लिपियाँ ध्वनियों को इस तरह से निरूपित नहीं करते हैं। बहुत-सी भारतीय लिपियों में cat (कैट) को **"कै+ट"** में तोड़ा जाएगा न कि **"क+ऐट्"** में।

इसलिए ध्वनि जागरूकताके आगे के चरणों का विकास बच्चे के लिए आवश्यक है या नहीं, यह उस लिपि की प्रकृति पर निर्भर करता है जिसमें वह पढ़ना-लिखना सीख रहा होता है। हालाँकि, भिन्न-भिन्न भाषाओं पर हुए अनेक शोधों से यह स्पष्ट है कि धारा-प्रवाह के साथ पढ़ना-लिखना सीखने के लिए यहाँ बताए गए ध्वनि जागरूकता के कई स्तर सभी बच्चों के लिए आवश्यक है।

इस हैण्ड-आउट में ध्वनि जागरूकता बढ़ाने के कई तरीक़े दिए गए हैं। जो गतिविधियाँ यहाँ दी गई है वे 3 से 8 वर्ष के बच्चों के लिए उपयुक्त हैं [1]। हाँलाकि, कुछ गतिविधियाँ कुछ ख़ास उम्र के बच्चों के लिए ही कमोबेश उपयोगी हो सकती हैं।

कक्षाकक्ष ध्वनि जागरूकता बढ़ाने के लिए गतिविधियाँ

इस खंड में जो गतिविधियाँ दी गई हैं उन्हें शिक्षकों को कक्षा में करके दिखाने एवं दिशानिर्देश देने के लिए पर्याप्त समय लगाना चाहिए तभी बच्चे उन्हें ख़ुद से कर पाएँगे। कृपया गतिविधि को इतनी बार दुहराएं कि बच्चों को अच्छे से समझ में आ जाए कि आप उनसे क्या करवाना चाहते हैं और तब उन्हें ख़ुद से इसे करने दें।

शब्दों की जागरूकता बढ़ाना (उम्र-3-4 वर्ष)

शब्द ताली एक वाक्य धीरे-धीरे बोलें और बच्चों से कहें कि वे हर शब्द पर ताली बजाएँ। उनका ध्यान खींचने के लिए बच्चों के नाम वाक्यों में शामिल कर दें या मज़ेदार वाक्यों का प्रयोग करें (जैसे चंदू के चाचा ने चांदी की चम्मच से चटनी चटाई/ Mira has a lovely smile.) बाद में बच्चों को उनके ख़ुद के वाक्य लाने को कहें जिसमें कक्षा के सभी बच्चे उस वाक्य के हर शब्द पर ताली बजा सकें। आप बच्चों को हर शब्द पर उछलने के लिए भी कह सकते हैं l

शब्दों को जोड़ना /शब्दों को बदलना- हर बच्चा एक शब्द कहेगा; और अगला बच्चा उसमें एक और शब्द जोड़ेगा फिर अगला बच्चा उसमें एक और शब्द जोड़कर वाक्य बनाने की कोशिश करेगा। उदाहरण के लिए एक बच्चा कहता है, 'मैं', अगला बच्चा एक शब्द जोड़ता है- 'कल' फिर अगला बच्चा, 'बाज़ार' और इसी तरह हर बच्चा एक-एक शब्द जोड़कर वाक्य पूरा करतें हैं – "मैं कल बाज़ार जाऊंगा।"

इसके अलावा आप बच्चों से एक और गतिविधि करा सकते है जिसमें आप उन्हें एक वाक्य देंगे ("मेरी हरी छतरी **हाट** में खो गयी"/ I found a lovely **flower** in the garden)। बच्चे बारी-बारी से उस वाक्य के किसी एक शब्द को बदलेंगे जैसे –"मेरी हरी छतरी **स्कूल** में खो गयी"/ I found a lovely **rabbit** in the garden.

शब्द लिफ़ाफ़ा – कुछ स्ट्रिप्स (कागज की पट्टियाँ) तैयार कर लें जिनमें सरल वाक्य लिखे हों। प्रत्येक बच्चे को एक-एक लिफ़ाफ़ा और कुछ टोकन (बोतल के ढक्कन, कंकड़, सिक्का आदि) दें। वाक्य को धीरे-धीरे पढ़ते हुए यह सुनिश्चित करें कि हर शब्द को बोलने के बाद थोड़ा समय दें. बच्चों से कहें कि वे हर एक शब्द के लिए लिफ़ाफ़े में एक टोकन डालें। उदाहरण के लिए उनसे पूछें, "आपको इस वाक्य में कितने शब्द सुनाई देते हैं?" वाक्य है- 'मैं खा रहा हूँ।' बच्चों को पहले यह करके दिखाएँ कि कैसे हर शब्द के साथ टोकन को उठाना है और लिफ़ाफ़े में डालना है।

---

1 इस हैंड आउट में Onsets and Rimes पर चर्चा नहीं होगी क्योंकि यह अंग्रेज़ी पढ़ने में ज़्यादा उपयोगी है न कि भारतीय लिपियों को पढ़ने में

कविता-कूद बच्चों को समूहों में बाँट दें। समूह में जितने बच्चे हैं, मैदान पर उतने गोले बनाएं । हर बच्चा एक गोले पर खड़ा होता है। बच्चों से कहें कि आप उन्हें एक कविता/गीत/Rhyme सुनाएँगे और उसके हर शब्द के साथ उन्हें एक गोले से दूसरे गोले में कूदना है।

तुकांत (Rhyme) की जागरूकता बढ़ाना (उम्र-3-5 वर्ष)

ये गतिविधियाँ ध्वनियों के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं और यह समझ विकसित करती है कि कुछ शब्दों की अंतिम ध्वनि एक जैसी (तुकांत) सुनाई देती है ।

तुकांत ताली- कोई Rhyme या कविता बजाने या सुनाने के पहले बच्चों को एक शब्द बताएं, जैसे- "मछली जल की रानी है" कविता के लिए- नानी। अब बच्चों को कहें कि जब वे नानी जैसे शब्द (रानी, पानी आदि) सुने तो अपने पैर छुएं, उछलें या ताली बजाएं। अंग्रेज़ी कविता Old MacDonald Had a Farm के लिए cold, rolled, fold जैसे शब्द ले सकते हैं जिनका Old से तुक मिलता है या फिर bucks, trucks, chucks जैसे शब्द ले सकते हैं जिनका ducks से तुक मिलता है।

अलग तुकवाले शब्द को छांटें (तुकबंदी पुलिस)

इस गतिविधि में आप बच्चों को तीन-चार शब्द देते हैं (जैसे आता, जाता, रोया, खाता/ eat, meet, get, greet) और उन्हें इन शब्दों में से जिस शब्द का तुक/आवाज़ बाक़ियों से अलग होती है उसे पहचानने के लिए कहें। इस गतिविधि को एक बार आप करके दिखाएं और फिर नए शब्दों के साथ इसे बच्चों को करने का मौक़ा दें।

जोड़ी मिलाओ –

कक्षा में जितने बच्चे हैं उतने शब्दों की तुकबंदी जोड़ी (जैसे केला-मेला, रानी-पानी) चुनें। इन शब्दों के पिक्चर-कार्ड बनाएं और प्रत्येक बच्चे को एक पिक्चर-कार्ड दें । अब बच्चों से कहें कि वे घूम-घूम कर अपनी जैसी आवाज़ करने वाले शब्दों (तुक मिलने वाले शब्द जैसे केला-ठेला) के साथ जोड़ी बनाएं । फिर आप उनसे पूछें कि वे शब्द कैसे एक जैसे हैं और ऐसे कौन-कौन से शब्द हैं। बड़े बच्चों (6-8 साल) को पिक्चर की जगह सीधे कार्ड में लिखा हुआ शब्द दे सकते हैं ।

चित्र मिलाना –

ऐसे शब्दों के पिक्चर-कार्ड लीजिए जिनकी आवाज़ें एक जैसी हों, उदाहरण के लिए cat-bat, cap-tap, pin-bin आदि। जोड़ी में काम करते हुए बच्चे इन चित्रों में से एक जैसी आवाज़ वाले चित्रों की जोड़ी बनाएंगे। इसे दूसरे तरीक़े से भी किया जा सकता है। इन सभी कार्ड को थैले/टोकरी में रख दें। अब कक्षा में घूम -घूम कर बच्चों को एक-एक कार्ड उठाने के लिए कहें। अब बच्चे एक जैसी आवाज़ वाले कार्ड के साथ जोड़ी बनाएंगे। इस गतिविधि को हिंदी शब्दों के साथ भी कर सकते हैं। हिंदी में एक जैसी आवाज़ वाले शब्दों के उदाहरण –आलू-भालू , खेत-रेत आदि।

शब्द चिड़िया – बच्चे गोले में खड़े होतेहैं | अब आप एक शब्द 'ढोल' चिल्लाते हुए किसी बच्चे की ओर एक गेंद उछालते हैं। वह बच्चा 'ढोल' शब्द से मिलती-जुलती आवाज़ वाले शब्द (जैसे गोल..) बोलते हुए दूसरे बच्चे की ओर उछालता है। यदि बच्चा निरर्थक शब्द भी बोलें तो उन्हें स्वीकार करें पर उन्हें इन निरर्थक शब्दों को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करें।

कमरे में तुकबंदी कमरे में किसी भी एक चीज़ को उठाएं और बच्चों को इसके नाम वाले शब्द से तुक मिलने वाले शब्द बताने के लिए कहें। कमरे में घूम-घूम कर ऐसी ही अलग-अलग चीज़ें उठाकर उसके नाम से तुक मिलने वाले शब्द पूछें । बच्चे इसे समूह बनाकर भी खेल सकते हैं | एक समूह कोई भी एक चीज़ चुनकर दूसरे समूह से उसके नाम वाले शब्द से तुक मिलने वाले शब्द पूछें।

तुक मिलाओ कविता बनाओ काग़ज़ की पट्टी में दो (या दो से अधिक) ऐसे वाक्य लिखें जिनके अंत में तुकांत शब्द आते हों पर दूसरे वाक्य का अंत ख़ाली छोड़ दें। पहले वाक्य को पढ़ें और जिस शब्द का तुकांत शब्द बच्चों से पूछना है उसे हाईलाइट करते हुए पढ़ें। फिर दूसरा वाक्य पढ़ें और बच्चों को तुकांत शब्द पूरा करने के लिए कहें | कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं -

I have a pet cat. He is under the___(mat).
I climbed a tree. I got stung by a___(bee).
मैं गयी रावलपपंडी, वहां से लायी हरी-हरी ________(भिन्डी)
साइकिल लेकर निकली पम्मी, बीच में मिल गई उसको ________ (मम्मी)

बच्चों को इस गतिविधि को समझाने के लिए बाल गीत, Rhyme या प्रचलित कविता के वाक्यों का इस्तेमाल कर सकते हैं और तुकांत शब्दों की ओर उनका ध्यान खींचकर पूछ सकते हैं कि वे किस तरह एक जैसे हैं।

पैसा पास होता तो चार चने लाते
चार में से एक चना चूहे को ___(खिलाते)
चूहे को खिलाते तो दांत टूट जाता
दांत टूट जाता तो बड़ा मज़ा ___(आता))

शब्दांश (Syllables) और ध्वनि की जागरूकता विकसित करना (उम्र 5-8 वर्ष)

बहुत-सी भारतीय भाषाओं में अक्षर प्रायः एक शब्दांश (syllable) को व्यक्त करता है क्योंकि इसमें व्यंजन और स्वर दोनों ध्वनियाँ समाहित होती हैं । उदाहरण के लिए कमल शब्द में अक्षर 'क' एक शब्दांश (syllable) को व्यक्त करता है न कि एक ध्वनि को। ऐसा इसलिये क्योंकि इसे और छोटी इकाइयों क्+अ में तोड़ा जा सकता है | वैसे ही 'म' भी एक शब्दांश (syllable) है किन्तु 'ल' एक एकल ध्वनि है क्योंकि इसमें स्वर नहीं जुड़ा है| इसलिए ज़्यादातर भारतीय लिपियाँ alpha-syllabic हैं क्योंकि इनके अक्षर कभी शब्दांश (syllable) को दर्शाते हैं तो कभी एकल ध्वनि को| इसके विपरीत अंग्रेज़ी जैसी भाषाओं में जिन्हें लिखने के लिए alphabetic लिपि इस्तेमाल की जाती है, प्रत्येक वर्ण(letter) या वर्ण- समूह एक ध्वनि को दर्शाता है। इसीलिए 'क' लिखने के लिए दो अंग्रेज़ी के वर्ण k और a लेने पड़ते हैं जबकि हिंदी और कन्नड़ में केवल एक ही वर्ण से काम चल जाता है।

शब्दांशों के प्रति जागरूकता आने से बच्चों को बाद में भारतीय लिपियों को लिखने-पढ़ने में मदद मिल सकती है। इस भाग में हम शब्दांशों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कुछ गतिविधियाँ दे रहे हैं। आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर, इन्हीं गतिविधियों को बच्चों की ध्वनि पहचानाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। ध्वनियों की पहचान अंग्रेज़ी में पढ़ने-लिखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

शब्दांशो के प्रति जागरूकता लाने में मदद करना

बच्चों को अपनी ठुड्डी के नीचे हाथ रखकर शब्दांशों को गिनना सीखा सकते हैं। किसी शब्द को उच्चारित करते समय जितनी बार ठुड्डी हिलती है, उतने ही शब्दांश उस शब्द में होते हैं । उदाहरण के लिए रू-चि-का शब्द को उच्चारित करते समय बच्चे की ठुड्डी तीन बार हिलती है। शब्दांश पर एक बार बच्चों की समझ बन जाय तो इन गतिविधियों को बच्चों के साथ कर सकते हैं। ये गतिविधियां किसी शब्द के शब्दांश या 'ताल' के प्रति जागरूकता लाने में मदद करते हैं।

नाम में क्या है?

किसी बच्चे का नाम लें और पूछें कि इसमें कितने ताल हैं। बच्चे हर ताल के लिए ताली बजाएंगे। जैसे प्रियंका में तीन ताल है – प्रि- यं- का – इसलिए वे तीन बार ताली बजाएंगे। एक बार बच्चों को यह समझ आ जाए तो उन्हें सुव्यवस्थित करने का यह एक मज़ेदार तरीक़ा हो सकता है। खाना खाने या खेलने जाने के लिए लाइन बनाने में इस गतिविधि का इस्तेमाल किया जा सकता है – जैसे एक ताली पर एक शब्दांश वाले बच्चे लाइन में लग जाएंगे; दो ताली पर दो शब्दांश वाले बच्चे।

बोल मेरी कठपुतली -

बच्चों से कहें कि आपकी कठपुतली एक बार में किसी शब्द के एक भाग को ही बोल पाती है इसलिए शब्दांशों को जोड़ने में इसकी मदद करनी है। उदाहरण के लिए , आप कहें, " कठपुतली आपके किसी एक दोस्त को पुकार रही है"- /**अ**/ /**नन्**/ /**त**/ "क्या आप बता सकते हैं कि वह किसको पुकार रही है ?" " हाँ – अनंत !"
"अब कठपुतली एक जानवर को पुकार रही है" - /**रै**/ /**बिट्**/ "बोलो क्या?" – "बिलकुल सही – रैबिट"

इस गतिविधि में थोड़ा फेरबदल कर ध्वनि सिखाने में भी इसका उपयोग कर सकते हैं । उदाहरण के लिए, रैबिट को फिर से तोड़ा जा सकता है - **/र्/ /ऐ/ /ब्/ /इ/ /ट्/**

ध्वनियों को पहचानना और अलग करना

बच्चों के लिए किसी शब्द के अलग-अलग अक्षरों की ध्वनियों पर ध्यान देना एवं उन्हें पहचानना महत्वपूर्ण होता है । इन गतिविधियों में बच्चों का ध्यान पहले प्रथम ध्वनि, फिर आख़िरी ध्वनि और अंत में बीच की ध्वनि की ओर दिलाएं।

पहचानो पहली ध्वनि

कुछ चित्रों या वस्तुओं को तैयार रखें। एक चित्र दिखाएं और पूछें, "क्या दिख रहा है?"
यह **पेन** है।
"अच्छा इसकी पहली ध्वनि क्या है ?" शिक्षक ध्वनियों को पहले बोलकर बताएं।
बच्चों को कक्षा में दिख रहे **प** से शुरू होने वाले अन्य शब्दों के नाम बताने के लिए कहें,
जैसे – पुस्तक, पानी,पेपर।
इस गतिविधि को दूसरी ध्वनियों के साथ समय-समय पर करते रहें।

अंताक्षरी

अंताक्षरी के ज़रिए बच्चों का ध्यान शब्दों की पहली और आख़िरी ध्वनि पर दिलाएं। इसमें एक बच्चा कोई एक शब्द कहता है , अगले बच्चे को उस शब्द के आख़िरी ध्वनि से शुरू होनेवाला एक नया शब्द बताना होता है | जैसे – कमल □ लड़का □ आम □ मटका आदि ।

चित्र छाँटना - बच्चों को कुछ पिक्चर कार्ड (आसपास एवं रोज़मर्रा की चीज़ों वाली) दें और उन्हें एक ही ध्वनि से शुरू होनेवाले (या जिनकी आख़िरी या बीच की ध्वनियाँ समान हों) चित्रों को अलग करने के लिए कहें। हिंट के लिए उन्हें कुछ ऐसे कार्ड दें जिनकी पहली, आख़िरी या बीच की ध्वनि समान हों। बाद में कार्ड का एक सेट देकर उनमें क्या समानता या अंतर है, इसे खोजने के लिए कहें।

अनुप्रास सक्रीय करना

एक थैले में कुछ चीज़ें रखें। बच्चे बारी-बारी से एक चीज़ उठाते हैं एवं उसके नाम की पहली ध्वनि से शुरू होनेवाला एक विशेषण उस शब्द के साथ जोड़कर बताते हैं। जैसे – पतली पेन्सिल , गर्म गिलास , silly scale; angry apple; big ball. बड़े बच्चों के साथ यह गतिविधि करते हुए बताए गए शब्दों को चार्ट पर लिख सकते हैं।

ध्वनियों को जोड़ना

इससे अलग-अलग ध्वनियों को सुनकर उन्हें उसी क्रम में जोड़कर सार्थक शब्द बनाने की योग्यता आती है मिल है
जोड़कर शब्द बनाना - किसी चुने हुए शब्द में जितनी ध्वनियाँ हैं उतने गोले बनाएं | गोले इतने पास-पास बनाएं कि बच्चे एक-दूसरे का हाथ पकड़ सकें। अब कुछ बच्चों को पास बुलाकर बताएं कि उनमें से प्रत्येक बच्चा किसी शब्द (शब्द बच्चों को बता दें) की एक ध्वनि है। उन्हें गोले में सही क्रम में खड़ा होने के लिए कहें। अब पहला बच्चा

शब्द की पहली ध्वनि को बोलता है और दूसरे बच्चे का हाथ पकड़ता है, फिर दूसरा बच्चा दूसरी ध्वनि को बोलता है इसी तरह सभी बच्चे एक-एक करके अपनी-अपनी ध्वनि को बोलते हैं। जब सभी बच्चे बोल लेते हैं तो वे एक कदम आगे बढ़कर बड़े गोले में आ जाते है और पूरे शब्द को एक साथ बोलते हैं। उदाहरण के लिए, cat शब्द की तीन ध्वनियाँ /क्/ /ऐ/ /ट्/ के लिए तीन गोले बनेंगे और हर बच्चा एक-एक ध्वनि बोलकर व उन्हें जोड़कर बड़े गोले में आएंगे और पूरे शब्द को एक साथ बोलेंगे।

बोल मेरी कठपुतली

बच्चों से कहें कि आपकी कठपुतली एक बार में शब्द के केवल एक आवाज़ को ही बोल पाती है। आप सबको उन आवाज़ों को जोड़ने में मदद करनी है। कठपुतली कहती है - /ह/ /ओ/ /म/

और बच्चे इन आवाजों को जोड़कर कहेंगे- "होम"

मेरे मन में क्या है?

इसमें बच्चे ध्वनि के रूप में दिए गए संकेतों से शब्द का पता लगाते हैं। उदाहरण के लिए –" मैं एक शब्द जानता हूँ।. उसके अंत में **नी** आता है और वह **पा** से शुरू होता है. बताओ वह शब्द क्या है? "

ध्वनियों को सही क्रम में रखकर और बच्चों को उन्हें जोड़कर शब्द बताने के लिए भी कह सकते हैं। एक बार में किसी एक ध्वनि को बदल-बदल कर भी इसे किया जा सकता है।

धातु या प्लास्टिक डिब्बे में कंकड़ या सिक्का रखें. संभव हो तो इसे गिफ़्ट की तरह लपेट लें। इस गिफ़्ट को एक बच्चे के पास ले जाएं और कहें, " मैं आपको संकेत (हिंट) दूंगा जिससे आप बता सको कि इस डिब्बे में क्या है." उस वस्तु के नाम को धीरे-धीरे एक-एक ध्वनिबोलते हुए उच्चारित करें। बच्चे को उन ध्वनियों को जोड़कर गिफ़्ट का अनुमान लगाने के लिए कहें। यदि वह सही बता देता है तो वह बच्चा दूसरा गिफ़्ट लेकर खेल को दुहराता है। उदाहरण के लिए, शिक्षक कहते हैं /प्/ - /ए/ - /न्/ - /स्/ /इ/ /ल्/। बोलो क्या है? बच्चा कहता है "पेन्सिल"। अब वह बच्चा किसी दूसरी वस्तु को गिफ़्ट के रूप में चुनकर अगले बच्चे के पास जाता है और कहता है , /ट्/ - /ओ/ - /फ़्/ - /ई/ और अगला बच्चा कहता है – टॉफ़ी , इस तरह खेल आगे बढ़ता है।

ध्वनियों में तोड़ना

इसमें शब्द को सुनकर उसे छोटी-छोटी ध्वनियों में तोड़ना होता है। इससे बच्चों को डिकोड करने एवं हिज्जे कर लिखने में मदद मिलती है।

ध्वनियों का लिफ़ाफ़ा

कुछ शब्द चुनें। शुरुआत उन शब्दों से करें जिनसे बच्चे परिचित हैं । अब प्रत्येक बच्चे को कुछ टोकन (बोतल के ढक्कन, कंकड़ या सिक्का वगैरह) और एक लिफ़ाफ़ा दे दें। बच्चों से कहें कि आप एक शब्द बोलने जा रहे हैं और उन्हें ध्यान से सुनकर उस शब्द में जितनी ध्वनियाँ हैं उतने टोकन उन्हें लिफ़ाफ़े में डालने हैं । शब्द को ज़ोर से बोलें और पूछें, " आपको इस शब्द में कितनी ध्वनियाँ सुनाई देती हैं?" शुरुआत सरल शब्दों से करें। पहले कुछ शब्दों के साथ इसे करके दिखाएं जिससे उन्हें समझ में आ जाए कि शब्दों को ध्वनि या शब्दांश में कैसे तोड़ना है। आप कुछ

बच्चों को करके दिखने के लिए कहें कि वे इस संख्या तक कैसे पहुंचे। उदाहरण के लिए मकान शब्द में तीन ध्वनियाँ (शब्दांश) हैं- म- का- न। इसलिए वे लिफ़ाफ़े में तीन टोकन डालते हैं। उन ध्वनियों को उन्हें अलग-अलग उच्चारित करने के लिए कहें और फिर जोड़कर पूरा शब्द एक साथ बोलने के लिए कहें।

इस गतिविधि को बदलकर शब्दों को सबसे छोटी ध्वनियों में तोड़ने के लिए कहें जैसे मकान को – /म्/ - /अ/ - /क्/ - /आ/ - /न्/ में तोड़ा जा सकता है।

पिक्चर-कार्ड में ध्वनियाँ

इस गतिविधि को जोड़े में किया जाता है। जोड़े में से प्रत्येक बच्चे के पास 10-10 पिक्चर-कार्ड होते हैं। दोनों एक-एक कार्ड एक बार में दिखाते हैं। जिसके कार्ड में ज़्यादा ध्वनियाँ होती है वह दूसरे बच्चे के कार्ड को ले लेता है। अंत में जिसके पास ज़्यादा कार्ड होते हैं वह जीत जाता है।

शुरू-शुरू में किसी कार्ड में कितनी ध्वनियाँ है यह पहचानने में आपको उनकी मदद करनी पड़ सकती है ; पर वे इसे जल्दी सीख जाते हैं| इस गतिविधि से शब्द में शब्दांशों या ध्वनियों को गिनना सिखाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है|

चित्र छाँटना - बच्चों की जोड़ियां, पिक्चर कार्ड के एक सेट से चित्र में ध्वनियों की संख्या के आधार पर छाँटकर उन्हें अलग-अलग रखती हैं । जैसे तीन ध्वनियों वाले चित्र एक साथ; चार ध्वनियों वाले चित्र एक साथ। उदाहरण के लिए sun में तीन ध्वनियाँ हैं- /स्/ - /अ/ - /न्/ , जबकि टेबल में चार = /ट्/ - /ए/ - /ब्/ - /ल्/

दूसरे तरीक़े से करने के लिए सभी कार्ड को एक थैले में रख दें। प्रत्येक बच्चे को एक कार्ड उठाने के लिए कहें। अंत में, कार्ड में अक्षरों की संख्या के आधार पर बच्चे समूह बनाएंगे अर्थात जिन बच्चों के कार्ड में अक्षरों की संख्या समान है वे एक समूह में होंगे।

ध्वनियों में फेर-बदल करना

इसमें कोई नई ध्वनि जोड़कर या किसी ध्वनि को हटाकर या किसी ध्वनि को दूसरी ध्वनि से बदलकर नए शब्द बनाए जाते हैं| इसमें बच्चों को ध्वनियों के विश्लेषण में सजग, संवेदनशील एवं युक्तिपूर्ण होने की आवश्यकता होती है।

फिर से कहो

हाल ही में पढ़ाए गए पाठ से कुछ शब्द चुनें । एक शब्द बोलें और बच्चों को कहें कि इसमें नई ध्वनि या नया शब्दांश जोड़कर या किसी ध्वनि या शब्दांश को हटाकर या बदलकर नया शब्द बनाएं । (यदि बच्चे प्रारंभ में निरर्थक शब्द भी बनाएं तो उन्हें स्वीकार करें) उदाहरण के लिए –

बदलकर – एक शब्द लें -चाय। बच्चों से कहें कि **चा** को **गा** से बदलकर नया शब्द बनाए – गाय | अथवा **य** को **ट** से बदलें – चाट।

जोड़कर – एक शब्द लें - कम। बच्चों से कहें कि इसके अंत में र अक्षर जोड़ें और बताएं कि क्या शब्द बना है। इसी प्रकार शब्द के शुरू में र अक्षर जोड़कर नया शब्द बनाएं और बताएं।
हटाकर - एक शब्द लें – कमल। बच्चों से कहें कि इस शब्द में से /**ल**/ या /**म**/ को हटाकर नया शब्द बनाएं और बताएं।
बड़े बच्चों के साथ काम करते समय बच्चों द्वारा बनाए गए शब्दों को चार्ट में लिखें।

ध्वनि जागरूकता निर्देश के सिद्धांत

इस हैंड आउट में वर्णित गतिविधियों को इस्तेमाल करते समय और स्वयं की गतिविधि बनाते समय शिक्षकों को इन सिद्धांतों को ध्यान में रखना चाहिए। (Yopp and Yopp.2000):

1. ध्वनि जागरूकता निर्देश में पहले ध्वनि की बड़ी इकाइयों को पहचानने एवं फेर-बदल करने में ध्यान देना चाहिए, उसके बाद छोटी इकाइयों की तरफ़ बढ़ना चाहिए।
2. छोटे बच्चों के साथ ध्वनि जागरूकता की अधिकाँश गतिविधियों को करते समय ध्वनियों को पहचानने एवं अंतर करने के लिए दृश्यों, शारीरिक गतिविधियों एवं आवाज़ों जैसे ताली, उछलना, सिक्के गिनना आदि संकेतों का इस्तेमाल करना चाहिए।
3. बड़े बच्चों (6-8 साल) के साथ काम करते समय कुछ गतिविधियों में जब वे ध्वनियों में फेर-बदल करते हैं तो वर्ण या अक्षर के प्रयोग को शामिल करना चाहिए। यह ध्वनि जागरूकता एवं वर्ण ज्ञान दोनों लक्ष्यों को साधती है और इससे डिकोड करने व लिपि पढ़ना सीखने में सीधे मदद मिलती है।
4. ध्वनि जागरूकता मज़ेदार और त्वरित होना चाहिए। कक्षा में इसे दिन में एक दो बार करना चाहिए और इसमें 15-20 मिनट से ज़्यादा नहीं लगना चाहिए।

इस हैंड आउट में हमने ध्वनि जागरूकता के अलग-अलग पहलुओं को विकसित करने के लिए नमूने के तौर पर कुछ गतिविधियां आपके साथ साझा की हैं । निर्देश सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए शिक्षक बच्चों के ध्वनि जागरूकता के अलग-अलग पहलुओं को मज़बूत करने के लिए और भी गतिविधियाँ बना सकते हैं। सफलता के लिए ध्वनि जागरूकता की गतिविधियाँ त्वरित, मज़ेदार, दिलचस्प और सबसे महत्वपूर्ण – पढ़ने-लिखने के अन्य विविध गतिविधियों के साथ होनी चाहिए।

Adapted from ELI Handout 05 (2019): ‘Supporting Phonological Awareness in Pre-primary and primary classrooms’